

૧૧૦ વૈષ્ણવાચીના
હિડ્ગાચીના
બોલોદાસપૂજી
વૈષ્ણવદેગરી

ASHA ARCHIVES 3197

ASHA ARCHIVES 3197

३५ ज्ञानात्मनश्च दमोर्नृपार्जुनैर्गुणैः ॥

ॐ नमः ॥ शिवाय ॥ ॐ गुह्या नमः ॥ ॥ श्रीयम् ॥ ह्रीं शिव न
 त्वाय स्वाहा ॥ ह्रीं विद्या त्वाय स्वाहा ॥ ह्रीं आत्म त्वाय स्वाहा ॥
 नमः ॥ ॐ नमः ॥ जूम्हाय रुट् ॥ ३ ॥ ॐ श्रीं हृदयाय नमः ॥ ॐ
 जूम्हाय शिवभस्त्राहा ॥ ॐ हृदय ॥ ४ ॥ कालिने शिखायुक्ताय
 ट् ॥ ॐ हृदय ॥ ५ ॥ कवचाय रुट् ॥ ॐ हृदय ॥ ६ ॥ कवचाय रुट् ॥ ॐ हृदय ॥
 ७ ॥ कवचाय रुट् ॥ ॐ हृदय ॥ ८ ॥ कवचाय रुट् ॥ ॐ हृदय ॥ ९ ॥
 नमः ॥ श्रीवाङ्मनादिवन्द्यै नमः ॥ ॐ नमः ॥ श्रीनमः ॥ श्रीनमः ॥

४॥ अ० नमो वन्दनं नमः ॥ उ० अ० नमो वन्दनं नमः ॥ ग० नमो वन्दनं ॥
 उ० ध० वल्लभा वृद्धा वृद्धा ग० लुमी क० समेप० ॥ सु० वदक० म० न
 उ० वृद्धम० ल० म० य० ग० ॥ अ० ग० ग० कि० सु० व० न० य० स० न० व० गि० ॥
 क० व० द० य० ॥ अ० क० य० वि० न० य० अ० न० दि० उ० उ० व० क० व० स० स० म० ॥ म०
 ल० म० न० ॥ उ० ह० ख० ख० ख० क० यि० म० य० म० र्क० य० नमः ॥ उ० अ० अ० म०
 म० य० यि० नमः ॥ अ० नमो वन्दनं नमः ॥ ग० नमो वन्दनं ॥

ॐ अं दृष्टि नमः ॥ अं पिङ्ग लायनमः ॥ अं गणपतयनमः ॥
 ॐ गुर्वृत्तानमः ॥ अं विमलायनमः ॥ अं आवायनमः ॥ अं
 आवायनमः ॥ अं अनामनायनमः ॥ अं सुन्दरायनमः ॥
 अं नालायनमः ॥ अं यन्त्रायनमः ॥ अं पञ्चायनमः ॥ अं कुम्भ
 लायनमः ॥ अं कर्णिकायनमः ॥ अं किष्कन्दनं ॥ ॐ वां दीपायन
 नमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥

ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥
 ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥
 ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥
 ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥
 ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥ ॐ अं अयनमः ॥

मन्त्रमन्त्रमन्त्र ॥ ५

नमः॥ ॐ नमः नमः॥ आवाहतादि यन्दनाकनयैष्यं नमः॥
 नेवद्य॥ ॐ यागिन्नाशी वलावृदा वतात्रयसमन्विता॥ आवा
 होधतु यदकं पतिगृहं तु सर्वलि॥ मलुलजापस्तान् ॥ ॐ नमः
 अथ यद्विदुः सह मुक्तिवला यधी महः॥ ननु॥ सूर्यः पुष्यः
 या॥ १०॥ ॐ नमः सूर्याय॥ अवाकसुमसकाशं काशायै मदा
 शुक्तिम॥ नमः प्रियं सर्वपापं पुनमातिदिवा कर्त॥ आजीवा

मन्त्रजयत्रयं रुद्रादा॥ २

द॥ ॐ आकृष्टनवजसुति॥ न्यामलीकाय॥ अथवाजसुदादु
 स्तानवलिसुनय॥ नासिय॥ ॐ निसूर्यदयूवि॥ शुन॥ ॐ
 ॐ नमः॥ मिवाय॥ ॥ आचम्य॥ हां मित्रतत्वाय स्वाहा॥ हा विद्या
 तत्वाय स्वाहा॥ हां आत्मतत्वाय स्वाहा॥ हां आत्मनो दमामे नमः
 ॥ हां आत्मनो यैष्यं नमः॥ न्याम॥ ॐ अमुय रुद्र॥ ३॥ कैवा
 न्याम॥ हां रुद्राय नमः॥ हां मित्राय स्वाहा॥ हां निखायै कोषट्

॥ दे कव वाय दे ॥ इ ॥ अम यरु ॥ अम न्यासा ॥ न न अर्य पागु पू
 ऊर्न ॥ आवानादि द न ना के न पृष्ण नमः ॥ आमा तम न व न न नमः ॥
 आमा तम न पृष्ण नमः ॥ त ना धान ॥ उं डों न गु सि द्वा स न द व ॥
 इ ॥ दे क स न्नि रु म ॥ पञ्च म्प द ग दा द लुं पु ति व क णि ला य न म ॥
 ऊ ल म कू ट सी हा ग्य ॥ अ न च्चु डा इ अ ख न म ॥ ग कि हि ॥ मूल ख द्वा
 इ व र व ग क वा मू ऊ म ॥ द कि ॥ अ वा इ वा इ ॥ उ म लू वी ज पू व क
 निर्मल ३

मू। ना गा रु सु ग नी ला कुं वि क नै पञ्च वि क म म ॥ द गि म्प ड क ॥ अ प
 न व द्वा प द्वा प वि वि रु म ॥ म दा मि व न स मू कि ॥ ली वी ग क न गा व
 व म ॥ मूल म रु ॥ डं डं डों मि व मू रु थ न म ॥ डं डों डं मि वा य न म ॥
 आ तम न धान पृष्ण नमः ॥ ग ना द्वा व पू ज ॥ डों ग ल प त य न म ॥ डों
 गु वृ णा न म ॥ डों स व रु थ न म ॥ डों म द ल क्शे न म ॥ डों वा स्तु धि य न
 य व रु थ न म ॥ डों वा स्तु धि य त य वि मू व न म ॥ डं डों म दा मि व

मननं विद्यावृद्धं महाभया । विष्णुं वंद्यं तालं वृष्णाणां लुप्तं
वयं । स्वयं वृद्धा वृद्धा कं मित्रा या वृद्धा कथयन्मः ॥ हौं नन्दिन
नमः ॥ हौं महाकालाय नमः ॥ हौं रुद्राय नमः ॥ हौं गङ्गाय नमः ॥
हौं यमुनाय नमः ॥ हौं ब्रह्माय नमः ॥ हौं अनन्ताय नमः ।
मः ॥ हौं स्कन्दाय नमः ॥ हौं नालाय नमः ॥ हौं यमाय नमः ॥ हौं य
शाय नमः ॥ हौं कालाय नमः ॥ हौं कलिकाय नमः ॥ हौं धर्माय न

मः ॥ हौं अधर्माय नमः ॥ हौं क्षत्राय नमः ॥ हौं शूत्राय नमः ॥ हौं वै
वाक्ष्याय नमः ॥ हौं अवेवाक्ष्याय नमः ॥ हौं नैवेद्याय नमः ॥ हौं
अनैवेद्याय नमः ॥ हौं मृग्याय नमः ॥ हौं यज्ञ्याय नमः ॥ हौं सामव
दाय नमः ॥ हौं अथर्ववेदाय नमः ॥ हौं कृतयुगाय नमः ॥ हौं तुलाय
नाय नमः ॥ हौं वापयुगाय नमः ॥ हौं कलियुगाय नमः ॥ हौं मास
मल्लाय नमः ॥ हौं सूर्याय नमः ॥ हौं वक्राय नमः ॥ हौं अ
खलुमल्लाय नमः ॥ हौं तुलुमल्लाय नमः ॥ यानिनी पूजा ॥ हौं अ

ॐ नमो भगवते ॥ १

षायनमः॥ डॉ कास्थनमः॥ डॉ कलविकलन्यनमः॥ डॉ वलविकल
 न्यनमः॥ डॉ वलपुमथन्यनमः॥ डॉ सर्वरुनेदमनाथनमः॥ डॉ मनाम
 नाथनमः॥ डॉ निवासनाथनमः॥ डॉ निवमृत्तयनमः॥ डॉ डॉ निव
 यनमः॥ पूनछानि॥ डॉ नृत्तिहामनदवमिषादि॥ यथाऽति॥
 डॉ डॉ निवमृत्तयनमः॥ डॉ डॉ निवायनमः॥ ३॥ दूदयादि॥ डॉ
 दूदयायनमः॥ डॉ निवमृत्तय॥ डॉ निवायवोषट॥ डॉ कवयायदू
 ॥ डॉ नृत्तययववट॥ ४॥ नृत्तययवट॥ ॥ डॉ नृत्तययवट॥ ३३यायनमः॥

लि.सू.२

[illegible]

श्रद्धा २

卷一

वाग्निमुद्रायः

एतद्देवदत्तवस्तुमुद्रायवस्तुमस्तु नमः ॥ नमः ॥ तुम्हय्य नमः ॥
आवाहनादिवन्दनाकृतपूर्य नमः ॥ ॥ नमः ॥ ॐ यागिना
कीर्त्तयन्तु ॥ मस्तु ॥ जाय ॥ ॥ ॐ नमः ॥ यविष्ट
महोदधौ यधीमहः । तन्त्र ॥ निव ॥ पुत्रादयान् ॥ १० ॥ ॥ मृत्पुत्रयया
जाय ॥ ॐ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ तन्त्रावुद्र ॥ पुत्रादयान्
॥ १० ॥ ॥ मृत्पुत्रयया जाय ॥ ॐ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ महादेवाय धीमहः ।
तन्त्रावुद्र ॥ पुत्रादयान् ॥ ० ॥ ॥ मृत्पुत्रयया नमः ॥ निव ॥ यागिना काय काय

पुत्रादयान् । निव ॥ दयामिवात्मानं लंगति ॥ यत्र मस्तु ॥ ॥ आजीर्णा
॥ ॐ नमः ॥ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ ॥ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ ॐ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ यन्त्र
ॐ यदधिक्ययविष्ट ॥ पुत्रा ॥ ॐ यदधिक्ययविष्ट ॥ न्यामलीकाय ॥
मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ ॐ मृत्पुत्रयया यविष्ट ॥ ० ॥
आवम्य ॥ ॐ यदधिक्ययविष्ट ॥ ॐ नमः ॥ यविष्ट ॥ ॐ ॥ ॐ

ॐ नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मृगश
न पृष्ठा

ASHA ARCHIVES 3197

गाव नृणां काया अट्टहासा जयनिका । वविशी काम कंथे त दंवी का व
ने या वर्म ॥ वतुर्क पश्चिर्म वदुर्क पश्चिर्म वतुर्क अष्टा विगं कम
लेव पूजयन्ती नमाम्यहं ॥ देवै नृकादि पादुका पूजयामि ॥ ॐ देवलि
गृह्णस्वाहा ॥ निपया गादि पादुका पूजयामि ॥ ॐ देवलिगृह्णस्वाहा ॥
नं श्री कृदिक मयाने नदनाथ श्री कृदिका पयाम्ना पादुका पूजयामि ॥ ॐ
देवलिगृह्णस्वाहा ॥ ॥ नैवै वस्त्रा ली पादुका पूजयामि ॥ ॐ देवलि

यन । क्षो सिद्धि त ग वशे ॥ सिद्धि ले क्षो ॥ ॐ नृकल को हसकल को हसकल को ॥ ॐ

गाव नृणां काया अट्टहासा जयनिका । वविशी काम कंथे त दंवी का व

ने या वर्म ॥ वतुर्क पश्चिर्म वदुर्क पश्चिर्म वतुर्क अष्टा विगं कम

गुरुस्वाहा ॥ नै मां मादुर्गोपादुर्का पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा
॥ नै को को मादुर्गोपादुर्का पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै वं वं वं
पादुर्का पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै वां वां वां दी दं वं पादुर्का
पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै नै नै नै पादुर्का पूजयामि ॥ ॐ
दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै वां वां मू मू यं पादुर्का पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंगगुरु
स्वाहा ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै मां मां हाल लो दं वं पादुर्का पूजयामि

मि ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै वं वं दं काय पादुर्का पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंग
गुरुस्वाहा ॥ नै नै नै नै पादुर्का पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै या या या या
॥ नै या या या या पादुर्का पूजयामि ॥ ॐ दंवलिंगगुरुस्वाहा ॥ नै ति य वि
वास पूजा ॥ आवाह नादि च तं ना कृतं पूष्य नमः ॥ नै पूष्य नमः ॥ दी य न
नै स्वाहा ॥ श्रीं हिंदू रं वी सट ॥ ॐ मू र्ग रं दं ॥ श्रीं पूष्य रं दं ॥ ॥ मणुल
॥ जाप ॥ नै मि रं ना था य वि सटं सिद्धि ना था य वी सटं ॥ गन्नाल ली पु या

दर्शनं ॥ निर्मास्य क्रिय ॥ नैव यत्नाथा यद्दुष्टं दृष्ट्वाहा ॥ अथ मा ॥
 ॐ दवना पूजा ॥ नैव रुवाय रुवाली सदिति नाये पादुकां पूजयामि
 ॥ नैव वसिष्ठि निदवना गच्छाद पू ४ ॥ ॥ हा नैव नैव य पाद पू ४
 ॥ नैव कृत्तिक मय पाद पू ४ ॥ हा नैव नैव पाद पू ४ ॥ ॥ डी दामाद
 वाय पाद पू ४ ॥ नैव सिद्धिलक्ष्मी पाद पू ४ ॥ नैव वाताय पाद पू ४ ॥
 नैव सर्वेश्वर दवरा पाद पू ४ ॥ सूर्य साक्षि थाय ॥ दंखेंखें शालका
 य सूर्य मूरुथ नमः ॥ ॐ डी सूर्याय नमः कृतकर्मला साक्षि ला मूर्या

श्री ३
 य अर्घनमः ॥ पूर्यनमः ॥ गुरुममु ॥ ॐ श्री गुरु प्रणामः ॥ ॐ नमः
 ॥ ॐ नमः हरे सरे श्री आनन्द लक्ष्मी शैव वली कता विद्यया महा विद्या नाथ श्री हर
 ॥ ॐ नमः कृष्ण वर नन्द नाथ श्री कृत्तिका य नावा पादुकां पूजयामि ॥ ॐ अध्याय ॥
 ॥ हा निना ॥ तमा वि ॥ का लानल गदा ॥ वद क महा का लाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ अथ वैष्णवार्चनं लिखते ॥ आरम्य ॥
 श्रीपुधान्तवायसाहो ॥ श्रीपुत्रवन्तवायसाहो ॥ श्रीश्रीगन्तवायसाहो ॥
 न्यास ॥ ॐ नमः ॥ दीपा दीपयुक्तं अमुकय रुट ॥ ३ ॥ कवराधनं ॥ कवरा
 न्यास ॥ ॐ नमः ॥ मृचिमदाह दयाय नमः ॥ ॐ नमः ॥ यववृक्ष निवससा
 हा ॥ ॐ नमः ॥ पद्मादि तमिखाये वीषट ॥ ॐ नमः ॥ भाभृगं नीज्या कववा
 यदं ॥ ॐ नमः ॥ युकां पद्मालिननं रुग्णाय वषट ॥ ॐ नमः ॥ दीपा दीप
 यरुभू कवगलज्जुमु यरुट ॥ ननं नृद्वार्या ॥ ननं नृद्वार्या ॥
 ॐ नमः ॥ यिथेनमः स्वा ॥ अहा हं हं ॥ ॐ नमः ॥ अहा हं हं ॥ ॐ नमः ॥ अहा हं हं ॥

अथ ३ नमः ॥ यो ॐ नमः ॥ अहा हं हं ॥ ॐ नमः ॥ अहा हं हं ॥ ॐ नमः ॥ अहा हं हं ॥
 अवाहनादिवन्दनाह तयुष्यं नमः ॥ आत्मनमिच्छनं नमः ॥ आत्मनमः
 नमः ॥ ॐ नमः ॥ श्री आत्मनमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ ॐ नमः ॥ अहा हं हं ॥
 नमः ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥
 ॐ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
 सोमगन्तवायसाहो ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥
 अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥
 अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥

ॐ नमः ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥ अहा हं हं ॥

मल्लालाय पादुकां पूजयामि ॥ श्री मुखल्लमल्लालाय पादुकां पूजयामि ॥
श्री गुरुमल्लालाय पादुकां पूजयामि ॥ श्री आचार्यशंकराय नमः ॥ श्री अनन्त
मनाय नमः ॥ श्री स्कन्दाय नमः ॥ श्री नालाय नमः ॥ श्री पद्माय नमः ॥ श्री यम
य नमः ॥ श्री कर्णाय नमः ॥ श्री कलिकाय नमः ॥ श्री गजगुप्तमनाय नमः ॥
॥ वृन्दाय नमः ॥ मूलमन्त्राय नमः ॥ ध्यानपूर्व्याय नमः ॥ ॥ मूलमन्त्राय नमः ॥
लिङ्गदद्यादि ॥ इति नमः ॥ सूचितथा दद्याय ॥ इति नमः ॥ पञ्चवक्त्राय
नमः ॥ इति नमः ॥ पञ्चादि तन्निखायैव वट् ॥ इति नमः ॥ दुर्गाय पुष्पलि

ननेरुगुयाय वट् ॥ इति नमः ॥ गङ्गाय नमः ॥ कवचाय दं ॥ इति नमः ॥ दी
पायीय पुष्पज्जुयैरुट् ॥ ॥ इति नमः ॥ नमो नमः ॥ सादा ॥ ३ ॥ श्रीवास
देवाय नमः ॥ श्री सङ्कर्षणाय नमः ॥ श्री पद्मनाभाय नमः ॥ श्री अनन्त
य नमः ॥ श्री पञ्चवक्त्राय नमः ॥ ॥ श्री गुरु ॥ श्री गायल गुरु ॥ पादुकां
पूजयामि ॥ गङ्गाय पादुकां पूजयामि ॥ ॥ श्री गुरु ॥ श्री गायल गुरु ॥ पादुकां
दमिदं गुरु ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥
लजाय ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥ इति नमः ॥

दया ॥ ७॥ ॐ नमो गायत्री ॥ १०॥ ॐ नमो ॥ या सो की वाम् मं धा सुपिनि रु नि निरि
 नागपयं रु काग ॥ १॥ व स्या द क ल कि ॥ रु लि म वि कि व र ल यो य म स्या
 धि का वि ॥ वृ क्क लु स य मा गि रु द गी मु नि ग र ल मु ग्य रु स्या म मं रु वि
 म् रु ला कु ना थ ॥ क लि क लु ष रु न ॥ पा रु मां य द्म ना रु ॥ आ जी वी द ॥
 डं जी नि य दा वि व रु म ॥ डं श्री ध न ल न्नी य ॥ डं सृ प लु सि ग रु मां ॥
 न्या म ली का य ॥ मृ ष पा रु स या रु स्या न नै व स न य ॥ डं वि वा क्ष ना य द्म
 रु द ॥ ना ति य ॥ ॥ ॐ नि वे द द पृ वि स मा य ॥ शु रु म रु ॥ श्री रु वि रु
 सा रु ॥

ॐ नमो गायत्री ॥

५५२

संवत् २०२२ ॥ ॐ नमो गायत्री ॥ १०॥ ॐ नमो ॥ या सो की वाम् मं धा सुपिनि रु नि निरि
 नागपयं रु काग ॥ १॥ व स्या द क ल कि ॥ रु लि म वि कि व र ल यो य म स्या
 धि का वि ॥ वृ क्क लु स य मा गि रु द गी मु नि ग र ल मु ग्य रु स्या म मं रु वि
 म् रु ला कु ना थ ॥ क लि क लु ष रु न ॥ पा रु मां य द्म ना रु ॥ आ जी वी द ॥
 डं जी नि य दा वि व रु म ॥ डं श्री ध न ल न्नी य ॥ डं सृ प लु सि ग रु मां ॥
 न्या म ली का य ॥ मृ ष पा रु स या रु स्या न नै व स न य ॥ डं वि वा क्ष ना य द्म
 रु द ॥ ना ति य ॥ ॥ ॐ नि वे द द पृ वि स मा य ॥ शु रु म रु ॥ श्री रु वि रु
 सा रु ॥

१०५ ॥ ॐ नमो गायत्री ॥ १०॥ ॐ नमो ॥ या सो की वाम् मं धा सुपिनि रु नि निरि
 नागपयं रु काग ॥ १॥ व स्या द क ल कि ॥ रु लि म वि कि व र ल यो य म स्या
 धि का वि ॥ वृ क्क लु स य मा गि रु द गी मु नि ग र ल मु ग्य रु स्या म मं रु वि
 म् रु ला कु ना थ ॥ क लि क लु ष रु न ॥ पा रु मां य द्म ना रु ॥ आ जी वी द ॥
 डं जी नि य दा वि व रु म ॥ डं श्री ध न ल न्नी य ॥ डं सृ प लु सि ग रु मां ॥
 न्या म ली का य ॥ मृ ष पा रु स या रु स्या न नै व स न य ॥ डं वि वा क्ष ना य द्म
 रु द ॥ ना ति य ॥ ॥ ॐ नि वे द द पृ वि स मा य ॥ शु रु म रु ॥ श्री रु वि रु
 सा रु ॥

५५३

५४६ भा. स. ६

सिन्धु का वात्री जलमि न सन्नि र्धो रुव ॥ अत्तमि वर्म ॥ ऊँ ऊँ रुद्र स्वाहा ॥ ३
॥ रभीष लघन तु सांकाये ॥ अयः ॥ अथ स्वः ॥ रुद्र स्वाहा ॥ नासिये ॥ न्यास
याय ॥ यो नायास ॥ लखन भाउ दिन का वरु सैजो न ॥ दिव्य न ॥ ऊँ
अभुय रुद्र ॥ ४ ॥ ये व स ॥ झालान सार्थ काये ॥ ऊँ ऊँ रुद्र स्वाहा ॥ गाय
त्री ॥ ऊँ शिखाना था यथी मरु मृचुदा यथी मरु ॥ रुद्र रुद्र ॥ यथा
दया ॥ ३२ ॥ मारा ॥ नया पची दन सा कुन ॥ ऊँ ऊँ रुद्र स्वाहा ॥ गाय
त्री ॥ ऊँ शिखाना था यति मरु ॥ मारा ॥ ३४ ॥ झालाना दन

आपसुनमसि सा ॥ ५

[illegible]

२५॥ नाहिल विधि ४॥ भासिय ॥ निष्कस्यं नं ॥ न्यासयाय ॥ निष्कस्यं नं ॥ मय्याया
मुलिन ॥ पुणायाम ॥ गायत्री ॥ जाना लखन हाय ॥ ५४ ॥ मय्याय रुट ॥ ३
अपसंय धिस्यं नय ॥ गायत्री ॥ १० ॥ गायत्री नय लपाव जानाहिलेक
॥ २१ ॥ जानाविधि ॥

४४
ला
क
प
प

